ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

हिंदी विवि के मानवविज्ञान विभाग का आयोजन
'वर्धा परिक्षेत्र में जैव-विविधता एवं औषधीय वनस्पतियाँ' विषय पर हुआ विशेष व्याख्यान
प्रकृति की सम्पदा है वनस्पतियाँ : डॉ. रमेश आचार्य

वर्धा, 16 मई 2024: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के मानवविज्ञान विभाग द्वारा 'वर्धा परिक्षेत्र में जैव-विविधता एवं औषधीय वनस्पतियाँ' विषय पर वर्धा के वनस्पति विज्ञान के विशेषज्ञ डॉ. रमेश आचार्य के विशेष व्याख्यान का आयोजन

गुरुवार 16 मई को विभाग के सभागार में आयोजित किया गया। डॉ. आचार्य ने वर्धा जिले की समृद्ध जैव-विविधता एवं औषधीय वनस्पतियों की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि प्रकृति में विद्यमान सभी वनस्पतियाँ किसी ना किसी उपयोग की है जिनका आयुर्वेद में अनन्य महत्व है। हमारे आस-पास और जंगलों में मौजूद वनस्पतियाँ प्रकृति की सम्पदा है। उन्होंने कहा कि हम सभी प्रकृति पर निर्भर है। बढती जनसंख्या के कारण हमारी आवश्यकताएं बढ़ गयी है, जिसके कारण अनेक प्रकार की उपयोगी वनस्पतियाँ लुप्त हो रही हैं। जहाँ तीस-चालीस वर्ष पहले तक 39 प्रतिशत जंगल था जो आज महज 17 प्रतिशत ही रह गया है। हमें प्रकृति को बचाने के लिए जंगल और वनस्पतियों को बचाना तथा उनका संवर्धन करना जरूरी है। इस दौरान विभाग की ओर डॉ. आचार्य का

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

स्वागत सम्मान पत्र, प्रतीक चिन्ह, शॉल एवं सूतमाला देकर किया गया। इस अवसर पर डॉ. आचार्य का परिचय वर्धा जिले के वन्य जीव प्रतिपालक कौशल मिश्र ने दिया। उन्होनें वर्धा जिले की जैविक विविधता का परिचय देते हुए आयुर्वेद में उनके महत्व को

बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मानवविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. फरहद मलिक ने की। कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. निशीथ राय ने किया तथा सहायक प्रोफेसर डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव ने आभार माना।

कार्यक्रम में वर्धा के एड. नीलकंठ हूड, एड. ताम्रध्वज बोरकर, अनिल पोखरे, हिंदी विवि के सहायक प्रोफेसर डॉ. रूपेश कुमार सिंह, डॉ. जगदीश नारायण तिवारी, डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, बी.एस. मिरगे, सिखा सिंह सहित विद्यार्थी निरंजन कुमार, अवनीश चौरसिया, दिनेश राजपुरोहित, अनुराग सिंह, , श्रीकांत जायसवाल, आदित्य स्वराज, ज्योती मिश्रा, नरेंद्र बखला, वैष्णवी जगताप, सुनू राम, हेमंत दुबे, मिथिलेश राय आदि उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE

हिंदी विश्वविद्यालयाच्या मानवविज्ञान विभागाचे आयोजन
'वर्धा विभागातील जैवविविधता आणि औषधी वनस्पती' या विषयावर विशेष व्याख्यान
औषधी वनस्पती ही निसर्गाची संपत्ती : डॉ. रमेश आचार्य

वर्धा, 16 मे 2024: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाच्या मानवविज्ञान विभागाद्वारे 'वर्धा विभागातील जैवविविधता आणि औषधी वनस्पती' या विषयावर वनस्पतीशास्त्रज्ञ डॉ. रमेश आचार्य यांचे विशेष व्याख्यान गुरुवार 16 मे रोजी विभागाच्या सभागृहात आयोजित करण्यात आले. डॉ. आचार्य वर्धा जिल्ह्यातील समृद्ध जैवविविधता आणि औषधी वनस्पतींची सविस्तर माहिती देत म्हणाले की निसर्गात असलेल्या सर्व वनस्पतींचा काही ना काही उपयोग आहे आणि आयुर्वेदात त्यांचे अनन्यसाधारण महत्त्व आहे. आपल्या आजूबाजूला आणि जंगलात असलेली औषधी वनस्पती ही निसर्गाची संपत्ती आहे. ते म्हणाले की, आपण सर्व निसर्गावर अवलंबून आहोत. वाढत्या लोकसंख्येमुळे आपल्या गरजा वाढल्या असून त्यामुळे अनेक प्रकारच्या उपयुक्त वनस्पती नामशेष होत आहेत. तीस-चाळीस वर्षांपूर्वीपर्यंत ३९ टक्के जंगल होते पण आज केवळ १७ टक्केच उरले आहे. निसर्गाचे रक्षण करण्यासाठी जंगले आणि वनस्पतींचे जतन आणि संवर्धन करणे आवश्यक आहे असे हि ते म्हणाले. यावेळी विभागातर्फे डॉ. आचार्य यांचे मानपत्र, मानचिन्ह, शाल व सूतमाळ देऊन स्वागत करण्यात आले. यावेळी डॉ. आचार्य यांचा परिचय वर्धा जिल्ह्याचे वन्यजीव संरक्षक कौशल मिश्र यांनी करून दिला. त्यांनी वर्धा जिल्ह्यातील जैविक विविधतेची ओळख करून दिली आणि त्याचे आयुर्वेदातील महत्त्व विषद केले. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी मानवविज्ञान विभागाचे अध्यक्ष प्रो. फरहद मलिक होते. कार्यक्रमाचे संचालन विभागाचे सहायक प्रोफेसर डॉ. निशीथ राय यांनी केले तर सहायक प्रोफेसर डॉ. वीरेंद्र प्रताप यादव यांनी आभार मानले.

यावेळी वर्धेचे ॲड. नीलकंठ हूड, ॲड. ताम्रध्वज बोरकर, अनिल पोखरे, हिंदी विविचे सहायक प्रोफेसर डॉ. रूपेश कुमार सिंह, डॉ. जगदीश नारायण तिवारी, डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, बी.एस. मिरगे, सिखा सिंह यांच्या सह विद्यार्थी निरंजन कुमार, अवनीश चौरसिया, दिनेश राजपुरोहित, अनुराग सिंह, श्रीकांत जायसवाल, आदित्य स्वराज, ज्योती मिश्रा, नरेंद्र बखला, वैष्णवी जगताप, सुनू राम, हेमंत दुबे, मिथिलेश राय आदि उपस्थित रहे।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305